भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

मैनपुर-नुआपाड़ा डिवीजनल कमेटी

प्रैस विज्ञप्ति

दिनांक 15 मई 2015 प्रवक्ता बुधराम पहारिया

जनविरोधी मुखबिरी का काम छोड़ो – मेहनतकश जिंदगी से नाता जोड़ो

दस आत्मसमर्पित नक्सलियों के परिवारों को नौकरी देने की खबर झूठी है

नक्सली परिवारों को नहीं मुखबिर परिवारों को नौकरी मिली है.

28-04-2015

दस आत्मसमर्पित नक्सलियों के परिवार को मिली भृत्य की नौकरी

धमतरी| लंबे समय बाद आत्म समर्पित नक्सलिों की सुध शासन ने ली है। नक्सल पुनर्वास योजना के तहत जिले के 10 आत्मसमर्पित नक्सली के परिवारजनों को नौकरी मिली। आदिम जाति कल्याण विभाग से नियुक्ति आदेश जारी हो गया है। जल्द ही ये नौकरी करते मिलेंगे। नौकरी मिलने की खबर से परिवार में खुशी का आलम है।

आत्मसमर्पित नक्सली महादेव मंडावी की गत दिनों घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। फिलहाल शासन का यह निर्णय आत्मसमर्पित नक्सली व पीड़ित परिवार को बड़ी राहत देगी।

इन्हे मिली भृत्य की नौकरी

नक्सली, परिवार	नौकरी पाने वाला	पदस्थ संस्था
सुखराम मंडावी	गेंदलाल	दुगली बालक छात्रावास
राजकुमार	दुलेश्वर	सिहावा बालक छात्रावास
रतिराम	अनकूराम	कुकरेल
पदमराम	पूरनलाल	कुरूद
पुसऊराम	कु. विमला	नगरी
बसंतराम	छन्नूलाल	मगरलोड
बसंतराम	मानिकराम	केरेगांव
रतिराम	शिवलाल	गट्टासिल्ली
सहदेव	वेदप्रकाश	बेलरगांव
सोनसाय वट्टी	छबीलाल	उमरगांव

ग्राम पंचायत खल्लारी के अंतर्गत आने वाले गांव सालेभाटा के निवासी महादेव मंडावी का पीएलजीए ने 25 मार्च 2015 को सफाया कर दिया. सिहावा थाना के संपर्क में रहकर वह पीछले चार-पांच साल से मुखबिरी का काम कर रहा था. जिस समय हमारी पार्टी इस इलाके में आयी थी तब महादेव पार्टी के संपर्क में आकर कुछ दिन जनसंगठन में काम किया था. बाद में पुलिस ने उसको एरिया कमांडर घोषित कर उस पर इनाम रखा था. धीरे-धीरे वह पार्टी के नाम पर पार्टी विरोधी काम करने लगा. वह दुकानदारों, ठेकेदारों से पार्टी के नाम पर पैसे वसूलने लगा था. बाद में जनता व पार्टी से गद्दारी करते हुए अपने छोटे भाई शंकर को एसपीओ के रूप में भर्ती करवाया. पार्टी के पूछे जाने पर उसने अपने भाई का बचावा किया और कहा कि वह फेक्ट्री में काम करता है.

तब हमारे स्थानीय दस्ता ने जन आदालत लगाकर उसके परिवार व महादेव को समझाया था कि वह पार्टी विरोधी, जनविरोधी कामों में भाग न ले. लेकिन न उसका भाई व न महादेव इस बात को माना. आखिर पूरी तरह से पुलिस के साथ मिलकर पार्टी को इलाके से खत्म करने के लिये काम करने लगा. कई बार उसने दस्ता के होने की सूचना पुलिस को दी. इसका एक भाई शंकर एसपीओ है, दूसरे दो भाई गेंदलाल व सहदेव भी पुलिस की मुखबिरी करते हैं. महादेव सीतानदी इलाके के जंगल, नदी-नालों में घुम कर दस्ता का समाचार जुटाता था. और गांव-गांव में लोगों को मुखबिर व युवकों को एसपीओ बनाने का काम भी करता था. पार्टी को खत्म करने के इरादे से काम कर रहे महादेव मंडावी का खात्मा आखिर पीएलजीए के हाथों होकर ही रहा. इसकी मौत की जिम्मेदारी सिहावा पुलिस थाने इंसपैक्टर, नगरी के टीआई व धमतरी के एसपी की है जिन्होंने उसे मुखबिर बना कर बलि का बकरा बनाया.

ग्राम पंचायत हात्मा भालूपानी के निवासी पुलिस मुखबिर पांडुराम नैताम को पीएलजीए ने 4 अप्रैल 2015 को मौत की सजा दी. पांडुराम 2011 से ही पार्टी के खिलाफ काम कर रहा था. यह गांव का पटेल था. पार्टी जब गांव में जाती तो वह लोगों पर दबाव डाल कर मीटिंगों में भाग नहीं लेने देता था. इतना ही इसने अपने लड़के को एसपीओ में भी भर्ती करवा दिया था. एक बार वह पीएलजीए के हाथ लग गया था. लेकिन झूठ बोल कर बच निकला था.

पहले इनको जन आदालत लगाकर पार्टी विरोधी कामों से दूर रहने और जनता के साथ मिलजुल कर रहने की समझाईश दी गयी थी. लेकिन पांडूराम ने घमंड में आकर इस बात पर कान नहीं दिये और कोंडागांव पुलिस के साथ मिलकर मुखबिरी करने लगा था. 2011

में उनके गांव में जब दस्ता ने डेरा डाला तो वह भारी संख्या में पुलिस को लेकर आया था. लेकिन तब हमारा दस्ता सुरक्षित रिट्रीट हो गया था. इस तरह की घटनाएं कई बार हुई. लेकिन अंत में उसे पीएलजीए ने मौत के घाट उतारना पड़ा.

इन घटनाओं के बाद 28 अप्रैल 2015 को दैनिक भास्कर समाचार पत्र में धमतरी से खबर लगी है कि 'दस आत्मसमर्पित नक्सलियों के परिवारों को मिलि भृत्य की नौकरी' हमारी पार्टी इस खबर का खंडन करती है. जिन दस परिवारों को नौकरी देने की बात कही जा रही है वह नक्सली परिवार नहीं है. ये सारे के सारे पुलिस के मुखबिरों के ही परिवार हैं. जिस सुखराम मंडावी के लड़के गैंदलाल को दुगली बालक छात्रावास में और सहदेव के परिवार वाले वेदप्रकाश को बेलरगांव में नौकरी दी गयी है वह पहले से ही मुखबिरी करते हैं और पार्टी के डर से गांव छोड़ कर भाग चुके हैं. ऐसे ही अन्य दस लोग भी हैं.

हम दुगली, सिहावा, कुकरेल, कुरुद, नगरी, मगरलोड, केरेगांव, गट्टासिल्ली, बेलरगांव, उमरगांव की तमाम संस्थाओं से विनम्र अपील करते हैं कि जन विरोधी काम में लगे मुखबिरों को अपने यहां नौकरी पर न रखें. यह आपकी संस्था को बदनाम ही करेंगे. अगर इन पर कार्रवाई करते समय कुछ जानमाल की हानि होती है तो इसकी जिम्मेदारी नौकरी देने वाले आदिम जाति कल्याण विभाग और धमतरी एसपी की होगी.

इसके पैसों, नौकरी के लालच में मुखबिर बने युवाओं, उनके परिजनों से अपील है कि अपने गांव वापिस आकर, जनता से जनादालत में माफी मांग कर मेहनत कर अपनी जिंदगी बसर करें, अपने बेटों को जनविरोधी नौकरियों, कामों से दूर रखो. आदिवासी व बेरोजगार युवाओं को पुलिस प्रशासन कुछ पैसों को लालच देकर जानबूझकर मुखबिर नेटवर्क में फंसा कर बलि के बकरे बना रहा है. वह पुलिस को सूचना देते हैं तब भी पुलिस फायादा उठाती है और जब वह पीएलजीए के हाथों खत्म हो जाते हैं तब भी वह मीडिया में आदिवासियों को मारने का आरोप पार्टी पर लगा कर फायादा उठाती है. इस प्रकार पुलिस दोनो हाथों में लड्डू रखने की नीति अपना रही है. और युवाओं को बेमौत मरवा रही है.

हमारी पार्टी तमाम युवाओं से अपील करती है कि सम्मान व मेहनत की नौकरियों को चुनें, इज्जत की जिंदगी जिओ, बदनाम व जनविरोधी पुलिस, एसपीओ, मुखबिरी और अर्ध सैनिक बलों की नौकरियों से नाता तोड़ो. पत्रकारों व बुद्धिजिवियों से अपील है कि वह इन झूठी खबरों की आकर जांच करें, व लोगों के सामने सच्चाई पेश करें.

प्रवक्ता

बुधराम पहारिया

मैनपुर-नुआपाड़ा डिवीजनल कमेटी

भाकपा (माओवादी)